मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला, फिर भी सरकार गिराने की कोशिश की गई : गहलोत

डूंगरपुर में कांग्रेस सेवादल की आजादी गौरव यात्रा में बोले ''यदि हम निकम्मे थे, काम नहीं कर रहे थे तो अच्छा होता कि आप सरकार भंग कर देते''

- मुख्यमंत्री गहलोत को फिर राजस्थान कांग्रेस में सियासी उठापटक की याद आई
- हरीश, डोटासरा को फिर से मंत्री बनने की आस जगाई, रघु शर्मा से कहा मैं गुजरात प्रभारी था, तो बना मुख्यमंत्री

डूंगरपुर/जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान के सियासी उलटफेर को एक बार फिर याद किया है और टाइमिंग भी वैसी ही है, जैसी उस समय थी। यानी कि उस समय राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले जब कांग्रेस विधायकों की बाड़ाबंदी हुई थी, वही अब दो महीने बाद फिर राज्यसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले ही गहलोत ने फिर से सियासी तनातनी कोयाद किया है। इतना ही नहीं उन्होंने राजस्थान में मंत्री परिषद छोड़ने वाले तीन नेताओं रघु, हरीश चौधरी और गोविंद सिंह डोटासरा को फिर से मंत्री पद मिलने की आस ही जगाई है। हालांकि यह मौका तो नहीं था कि सियासी बातें का, क्योंकि जिस जगह मुख्यमंत्री ने यह सब बातें कहीं वह मौका था कांग्रेस सेवादल की आजादी गौरव यात्रा का, लेकिन इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने राजस्थान की सियासत को फिर से चर्चा में ला दिया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पौने दो साल पहले राजस्थान कांग्रेस में हुई आपसी तकरार और बाड़ेबंदी के समय को याद करते हुए कहा कि राजस्थान में अमित शाह और जोधपुर वाले एमपी गजेंद्र सिंह को शर्म ही नहीं आई। जोधपुर का एमएलए मैं हूं, मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला हुआ है। फिर भी सरकार गिराने की कोशिश की। मेरी सरकार गिराने के लिए अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र शेखावत ने हमारी पार्टी के अंदर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी थी। आप बताइए, यह लोकतंत्र है। कहां ले जाएंगे देश को।

इससे आगे मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि इससे अच्छा होता कि हम निकम्मे थे। काम नहीं कर रहे थे। राजस्थान का लॉ एंड ऑर्डर खराब हो गया। सब कुछ ब्रेक डाउन हो गया तो आप सरकार भंग कर देते। एमएलए खरीदकर आप देश को कहां ले जाना चाहते हैं? मोदीजी और अमित शाह पर यह दोष जो लगा है, देश के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। इसे कोई मिटा नहीं सकता।

गुजरात के साबरमती आश्रम से शुरू हुई सेवादल की गौरव यात्रा की अगवानी करने के बाद रतनपुर बॉर्डर पर हुई सभा में बात करते हुए गहलोत ने कहा कि गुजरात प्यारा स्टेट, लेकिन यहां शासन करने वाले बड़े खतरनाक लोग हैं। चाहे वह अमित शाहजी हों या मोदीजी। कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। उनकी कथनी करनी में भयंकर अंतर है। जो बहुत खतरनाक होता है। शासन करने वालों को दिल बड़ा रखना चाहिए। मोदीजी ने कहा कि 56 इंच का सीना है मेरा तो। यह वास्तव में दिखाना चाहिए था। संवेदनशीलता से शासन करते। सब जाति, धर्म, वर्गों को साथ लेकर चलते। देश का प्रधानमंत्री किसे कहते हैं ?

अमित जी शाह को निशाने पर लेते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि गृह मंत्री जहां कभी सरदार पटेल बैठे थे, वहां आप बैठे हो। क्या करतूतें कर रहे हो। विधायक खरीदकर सरकारें गिराओ। वोटों के माध्यम से नहीं पैसों के जरिए एमएलए खरीदो। राज्यसभा चुनाव हो तो एमएलए खरीदकर राज्यसभा की सीट जीतो । मध्य प्रदेश में सरकार चुनी हुई थी। आपने 22 एमएलए को 35-35 करोड़ में खरीदकर सरकार गिरा दी। यह कहां का लोकतंत्र है।

राजस्थान मंत्रिमंडल से हटने वाले तीन मंत्रियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि यहां गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा बैठे हैं। रघु शर्मा ने कहा था कि या तो प्रभारी रहूंगा या मंत्री रहूंगा। इन्होंने मंत्री की जगह प्रभारी बनना मंजूर किया। कितनी बड़ी बात है। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा मंत्री थे। इन्होंने मंत्री की जगह पीसीसी अध्यक्ष रहना मंजूर किया। मंत्री पद आते-जाते रहते हैं। मंत्री तो आप कभी बन जाओगे। रघु शर्मा, गोविंद डोटासरा, हरीश चौधरी खुद की इच्छा से मंत्री पद से हटे, जब चाहोगे तब मंत्री बन जाओगे। योगदान दे रहे हो। मैं गुजरात का प्रभारी था। मुझे इन्होंने मुख्यमंत्री बना दिया। आप समझो। राहुल गांधी ने आपको सोच-समझकर गुजरात भेजा है। मैं खुद 10 महीने मैं प्रभारी रहा।

इससे पहले गुजरात के साबरमती से 6 अप्रैल को निकली यात्रा रतनपुर बॉर्डर पर पहुंची। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान के पूर्व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा के नेतृत्व मे बॉर्डर पर गौरव यात्रा के आते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी अजय माकन ,राष्ट्रीय महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटसरा, कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत मालविया, सीडब्ल्यूसी के सदस्य रघुवीर मीणा, सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई, यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गणेश घोघरा समेत कई नेताओं ने स्वागत किया।

गुड फ्राइडे पर प्रभु यीशु के दुःख को महसूस किया

सेंट एंड्रयूज चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे मनाया गया। इस दिन प्रभु यीशु को क्रॉस पर चढ़ाया गया था जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी। इस दौरान चर्च में विशेष प्रार्थना सभा हुई। सभा में जवानों द्वारा लघु नाट्यय से प्रभु यीशु के दुख का चित्रण भी किया गया।

कांग्रेस की सरकार अपनी कमजोरी से गिर रही थी और गहलोत भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे : डॉ. पूनिया

'आपसे नहीं संभल रहा तो बेहतर होगा कि कुर्सी छोड़ दें'

- 'कांग्रेस में नई पीढ़ी अशोक गहलोत के समक्ष चुनौती बनकर खड़ी है और वह सच को स्वीकार नहीं करना चाह रहे और ना ही नए नेतृत्व को उभरने देना चाह रहे'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि, राज्य की कानून व्यवस्था संभालने में विफल अशोक गहलोत अपनी सरकार की सभी विफलताओं का ठीकरा केन्द्र पर डालते हैं, जो हास्यास्पद है, वह यह स्वीकार करने को क्यों तैयार नहीं है कि उनकी सरकार के संरक्षण में हिंसा और दंगे हो रहे हैं? हाल ही में करौली हिंसा का पूरा प्रदेश और देश गवाह है कि कांग्रेस शासन में बहुसंख्यक हिंदुओं पर सुनियोजित साजिश के तहत हमला किया गया।

डॉ. पूनिया ने कहा कि राजस्थान में अंतिम सांसें गिन रही कांग्रेस को बचाने और लचर शासन के कारण उत्पन्न जनाक्रोश ने अशोक गहलोत की नींद हराम कर दी है। झूठी सहानुभूति बटोरने की कोशिश वाले इन बयानों से गहलोत को कुछ हासिल नहीं होगा, प्रदेश की जनता आपकी और कांग्रेस की हक़ीक़त को जान चुके हैं। कांग्रेस की सरकार व उनके विधायक 42 दिन बाड़े में इसलिए बंद रहे कि आपका आलाकमान मौसमी है वो शीत निष्क्रियता का आदी है, आपकी पार्टी में नई पीढ़ी आपके समक्ष चुनौती बनकर खड़ी है और आप सच को स्वीकार नहीं करना चाह रहे और ना ही नए नेतृत्व को उभरने देना चाह रहे, जिसकी सबसे बड़ी वजह कांग्रेस का परिवारवाद है। कांग्रेस की सरकार अपनी कमजोरी से गिर रही थी और आरोप आप हम पर (भाजपा) लगा रहे हैं, भाजपा के केंद्रीय नेताओं पर सरकार गिराने के झूठे आरोप लगाना गहलोत की नैतिक पराजय है, आप से नहीं हो पा रहा है तो बेहतर होगा कि आप कुर्सी छोड़ दें।

उन्होंने कहा कि, देश में जाति, पंथ, मज़हब और वोट बैंक की राजनीति की जनक कांग्रेस है, तुष्टिकरण की राजनीति शुरूआत से ही कांग्रेस ही करती है और करौली हिंसा की घटना भी कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि, अशोक गहलोत बताएं कि भारत का विभाजन, कश्मीर, सिख नरसंहार इन सबका दोषी क्या कांग्रेस नहीं है? अपनी सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री बार-बार केंद्र सरकार पर झूठे आरोप लगाते हैं, मुख्यमंत्री यह क्यों नहीं कहते कि प्रदेश की कानून व्यवस्था उनसे नहीं संभल रही।

मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री के बारे में गरिमाहीन व अमर्यादित बयान देने के बजाए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य की कानून व्यवस्था मजबूत हो, कहीं भी दंगे और हिंसा ना भड़के, हिंदुओं सहित समस्त जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित हो और जो करौली में हिंसा हुई है, उसके दोषियों को सख्त सजा मिले और पीड़ितों को न्याय व आर्थिक मुआवजा मिले।

गहलोत जिस चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना का बड़ा गुणगान करते हैं, उसके हालात यह हैं कि आमजन को दवाइयां बाहर से खरीदकर लानी पड़ रही हैं, यह बात लोगों ने स्वयं मुख्यमंत्री से सवाईमानसिंह अस्पताल में कही कि सभी दवाइयां बाहर से लानी पड़ रही हैं।

नड्डा व बी.एल.सन्तोष के बाद अब प्रदेश में शाह के दौरे की तैयारी

जयपुर। प्रदेश भाजपा की ओर से प्रदेश में 2023 में होने वाले चुनावों की तैयारिया शुरु कर दी है। भाजपा का केन्द्रीय और प्रदेश नेतृत्व 2018 के विधानसभा चुनावों में कमजोर रही विधानसभाओं को मजबूत करने की तैयारी शुरु कर दी है। प्रदेश में पूर्व राजस्थान के बाद अब दक्षिणी राजस्थान की विधानसभा क्षेत्रों को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रदेश भाजपा की ओर से केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे की तैयारी की जा रही है। वहीं दक्षिणी राजस्थान से गुजरात की सीमा भी जुड़ी हुई है और गुजरात में इसी साल चुनाव भी हैं। इन सभी बातों को देखते हुए गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों के साथ प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी हुई है। प्रदेश के 2018 के चुनावों में कमजोर रहे पूर्व और अब दक्षिण राजस्थान के क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए अभी से प्रयास जारी है। इन आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा नेता प्रवास के दौरान आदिवासियों को केन्द्र की अटल बिहारी और नरेन्द्र मोदी सरकार ने ही काम किए है।

कांग्रेस ने एससी-एसटी को केवल वोट बैंक समझा : जसकौर मीणा

सांसद जसकौर मीणा

- 'गहलोत सरकार एससी-एसटी के विकास नाम पर केवल झूठ का पुलिंदा परोस रही है'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर दौसा सांसद जसकौर मीणा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की जनजाति वर्ग के लिए चलाई जा रही योजना का लाभ एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। मोदी सरकार दुनिया भर में कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही पिछले 8 वर्षों से देश के गरीब तबके विशेषकर अनुसूजित जाति, जनजाति, अन्य दलित समाज के उत्थान के लिए काम कर रही है। देश में एससी/एसटी परिवारों के लिए 3 करोड़ गैस कनेक्शन, 1 करोड़ 60 लाख पक्के घर, जल व बिजली के कनेक्शन मोदी सरकार द्वारा दिये गए। साथ ही जनधन खातों व किसान कल्याण खाते या अन्य सभी योजनाओं का शत प्रतिशत पैसा दलित व आदिवासी लोगों के खातों में सीधा पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर राज्य से धारा 370 हटाकर जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। मोदी सरकार बाबा साहब के सामाजिक समरसता के सपने को साकार कर रही है, जबकि 70 सालों से कांग्रेस शासनकाल में दलित व पिछडे वर्ग को केवल वोट बैंक ही समझा गया। जनजाति वर्ग के भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय गौरव दिवस घोषित किया गया, बाबा साहब अंबेडकर के जीवन से जुड़े 5 स्थानों को पंचतीर्थ विकसित करने का काम मोदी ने किया। बूंदी के राजा बूंदा मीणा व डूंगरपुर मानगढ़ धाम में कालीबाई का पनोरमा बनाकर आदिवासी क्षेत्रों का गौरव बढ़ाया।

पंडित दीनदयान के स्वप्न लक्ष्य अन्त्योदय पर चलते हुए मोदी सरकार अंतिम पायदान पर खडे प्रत्येक दलित और पिछडे वर्गो तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।

जसकौर मीणा ने गहलोत सरकार के तीन साल के शासनकाल पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध चरम पर है, बजट की अधूरी घोषणाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण एससी/एसटी की स्थिति दयनीय बनी हुई है। गहलोत सरकार एससी/एसटी के विकास नाम पर केवल झूठ का पुलिंदा परोस रही है। प्रदेश में 15 वर्षीय आदिवासी किशोरी से रैप व हत्या के बाद शव अर्द्धनग्न अवस्था में मिला, बांसवाड़ा जिले में एससी लड़की के मुंह व कपड़े फाड़ने की घटना होती है, उदयपुर के पानरवा क्षेत्र से महिला आदिवासी से दुष्कर्म का प्रयास हुआ और पुलिस ने एफआईआर बदलकर दोषी को बचाया। मनरेगा में काम करने वाले दलित व आदिवासी लोगों के साथ शोषण हुआ, यह आरोप गहलोत के सलाहकार संयम लोढ़ा ने पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा पर लगाया है।

एसएमएस अस्पताल में मरीज को बैड पर ही मिलेगी दवा

मुख्यमंत्री को मरीजों के लिए अस्पताल में दवा नहीं मिलने की शिकायत मिली तो चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल की सुध ली

- चिकित्सा मंत्री ने मरीजों से वसूली करने पर दो वार्ड वॉय को गिरफ्तार करवाया

जयपुर,(कासं)। प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं की शिकायत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मिलने के बाद शुक्रवार को चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने अस्पताल का दौरा किया और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को बैड पर दवा पहुंचाने की व्यवस्था लागू करने के लिए कहा। इस दौरान मरीजों की शिकायत पर चिकित्सा मंत्री ने दो वार्ड बॉय को मरीजों से वसूली करने पर गिरफ्तार भी करवाया।

चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने शुक्रवार को एसएमएस अस्पताल का दौरा किया और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

देर रात सीएम पहुंचे थे अस्पताल

इससे पहले गुरूवार देर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा अस्पताल पहुंचे थे। वहां उन्होंने बाडी के सहायक अभियंता हर्षाधिपति के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। इस दौरान सीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से बात की तो उन्होंने अव्यवस्थाओं को लेकर जमकर शिकायतें की। मुख्यमंत्री ने तत्काल सभी की समस्याओं का 24 घंटे में निदान के निर्देश दिए थे। इस दौरान ट्रोमा में भर्ती मरीजों के परिजनों ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ और व्यवस्था में लगे अन्य कार्मिकों की शिकायतों का पुलिंदा मुख्यमंत्री के सामने रखा। परिजनों ने वर्तमान में मिल रहे इलाज को लेकर असंतोष जताया। साथ ही दवाई, इलाज और स्टाफ के व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों को स्टाफ लागू नहीं कर रहा है।

आज फिर मंत्री पहुंचे अस्पताल

इसके बाद चिकित्सा मंत्री शुक्रवार दोपहर अधिकारियों को लेकर फिर अस्पताल पहुंच गए और व्यवस्थाओं की जांच की। इस दौरान उन्होंने ट्रोमा सेंटर में मरीजों की स्थिति पर नाराजगी जताई और ट्रोमा सेंटर के स्टाफ को हिदायत दी कि वह मरीजों के हित में काम करें वरना सस्पेंड कर दिए जाएंगे। मीणा ने सभी चिकित्सकों और स्टाफ को निर्देशित कर दिया कि अब किसी मरीज के हाथ में दवा की पर्ची दिखी तो यूनिट हैड को एपीओ कर दिया जाएगा। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रॉमा सेंटर में जो भी नकारा कर्मचारी हैं उन्हें बाहर का रास्ता दिखाएं और यहां ईमानदार और अच्छे काम करने वाले कर्मचारियों को लगाया जाए।

अधिकारियों की ली क्लास

चिकित्सा मंत्री ने ट्रोमा सेंटर का दौरा करने के बाद वहीं पर अधिकारियों की बैठक ली। इसमें चिकित्सा शिक्षा प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया, डॉ. सुधीर भंडारी, अधीक्षक डॉ. विनय मल्हौत्रा, अस्पताल के प्रशासनिक एडमिनिस्ट्रेशन और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। मीणा ने सभी चिकित्सकों और एचओडी को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो दवाईयां चिकित्सक लिखे, उसे वार्ड के अंदर मरीज के बैड तक पहुंचाने की व्यवस्था करें। वर्तमान में सरकार की ओर से 969 से ज्यादा दवाईयां मुफ्त उपलब्ध करवाई जा रही है। जो दवाईयां फ्री स्टॉक में नहीं होती उसे हॉस्पिटल परिसर के अंदर ही लाइफ लाइन या दूसरे स्टोर से उपलब्ध करवाया जाए, ताकि दवाईयों की पर्ची लेकर मरीजों के परिजनों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। इस दौरान वहां मौजूद डॉक्टर्स और एचओडी ने वार्डों पर डीडीसी सेंटर बनाने, सभी यूनिटों में दवाओं का स्टॉक रखने का सुझाव दिया।

प्लास्टर बांधने के नाम पर पैसे मांग थे वॉर्ड वॉय

सीएम के समक्ष मरीजों ने परिजनों ने शिकायत की थी कि वार्ड बॉय मरीजों के प्लास्टर बांधने के नाम पर पैसे मांगते हैं। उसके बाद शुक्रवार को चिकित्सा मंत्री ने दोनों वार्ड बॉय के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर एसएमएस हॉस्पिटल थाना इंचार्ज ने वार्ड बॉय आरिफ खान पुत्र मोहम्मद जिलानी निवासी बंजारा बस्ती सूरजपोल जयपुर और जयलाल मेघवाल पुत्र देवाराम मेघवाल निवासी गिरधारीपुरा अजमेर रोड जयपुर को गिरफ्तार किया।

रोटेशन में लगेगी चिकित्सकों की ड्यूटी

अस्पताल के दौरे के बाद मीडिया से बात करते हुए चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मरीजों की शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मरीजों की समस्याओं को सुनने के लिए रोटेशन से यहां चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई जाएंगी। इसके साथ ही लपकों पर विशेष कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है।

उधर जार्ड का कहना है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स 30-30 घंटे लगातार काम करते है, जरूरी दवाई लिखते है तो डीडीसी में उस पर नोट एलेविल की सील लगा देते है। मरीज वापस आता है, रेसिडेंट उसका विकल्प लिखते है वो भी अनुपलब्ध रहती है, ऐसे में एक रेसिडेंट डॉक्टर्स क्या करेगा। मरीज को ठीक भी करना है,अगर मना कर दे तो भी रेसिडेंट जिम्मेदार माना जाता है। अगर मरीज को दवा नहीं मिलती है तो स्टोर इंचार्ज, वार्ड इंचार्ज, हॉस्पिटल इंचार्ज और दवाई स्टोर इंचार्ज की क्या जिम्मेदारी है। रेजीडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर का आदेश पूरी तरह से गलत। जिम्मेदार लोगों पर जांच करने के बजाय रेसिडेंट डॉक्टर्स पर सारा ठीकरा फोड़ना निंदनीय।

जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सवाईमानसिंह अस्पताल में रोगियों के परिजनों द्वारा घेराव का वीडियो साधा कर तंज कसा है। शेखावत ने कहा कि इसलिए गहलोत जनता का सामना करने से डरते हैं। जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी है। शुक्रवार को ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के वादे उनकी तरह फेल हैं। अपनी असफलताओं को केंद्र पर थोपते रहने की कारगुजारियों के बीच उनकी अपनी चिरंजीवी योजना की हकीकत एक आम नागरिक की आपबीती से सामने आने के बाद बगले झांकने के अलावा उनके पास कोई चारा न था। शेखावत ने कहा कि उन्हें ईआरसीपी की तरह का कोई झूठ नहीं सूझ रहा था। जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी है।

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती में फर्जीवाड़े पर शेखावत ने कहा कि एक-एक सबूत इकट्ठा किया जा रहा है, कांग्रेस सरकार के काले कारनामों का। गहलोत जी जन सरोकार में नहीं साठगांठ में विश्वास रखते हैं। नौकरी के लिए दिव्यांग तक के फर्जी सर्टिफिकेट तैयार किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की संवेदना का इससे निचला स्तर क्या होगा?

दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी : राजेन्द्र राठौड़

- विधायक पुत्र पर नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप के मामले में पीड़ित परिवार ने की उपनेता प्रतिपक्ष से मुलाकात की

जयपुर। राजगढ़ विधायक जौहरी लाल मीणा के पुत्र पर लगे नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी के मामले में शुक्रवार को पीड़ित परिवार ने जयपुर पहुंचकर प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ से न्याय की गुहार लगाई।

पीड़ित परिवार ने राठौड़ से कहा कि मामला दर्ज कराने के तीन माह गुजर जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। राठौड़ ने इस मामले में डीजीपी से बात कर चेतावनी दी कि यदि दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी। दौसा गैंगरेप मामले में पीड़ित परिवार ने राठौड़ से मुलाकात के दौरान यह भी बताया कि पुलिस ने पीड़ित किशोरी से 164 के बयान भी ले लिए लेकिन स्थानीय पुलिस अधिकारी विधायक पुत्र के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से बच रहे हैं। वहीं प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गृह मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री को इस मामले में संज्ञान लेते हुए दोषी विधायक पुत्र पर कार्रवाई करानी चाहिए। राठौड ने कहा कि आज आलम यह है कि सभी विधायक खुद को मुख्यमंत्री से कम नहीं समझते हैं। ऐसे में पुलिस भी दबाव में ही काम कर रही है। राठौड़ ने डीजीपी एमएल लाठर से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को सोमवार को उनके पास भेजने की बात कही। यह भी कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा इस मामले को उठाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएगी। वहीं राजेंद्र राठौड़ से शुक्रवार सुबह राज्य बीमा एवं प्रावधार्थी निधि विभाग से जुड़े कर्मचारी भी मिले और अपनी समस्याएं रखीं।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती सुमित्रा देवी शर्मा** का स्वर्गवास दिनांक 15-04-22 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 16-04-22 को सायं 5:00 से 6:00 बजे निज आवास के पास संकट मोचन हनुमान मंदिर, नंदपुरी कॉलोनी हवा सड़क पर रखी गई है।

शोकाकुल: राधेश्याम शर्मा (पति) (सेवानिवृत लेखाधिकारी, RSRTC), रामस्वरूप (जेष्ठ), रामावतार, कैलाश, जगदीश (देवर), राकेश कुमार (AAO RVPN) इंदुबाला, पुष्पेंद्र अंशु (पुत्र-पुत्रवधु), डिंपल (पुत्र), प्रेमशंकर, रेवती (भतीजे) अक्षत, प्रद्युम्न (पौत्र), अर्पिता (पोत्रि) एवम समस्त मिश्रा परिवार बैजूपाडा वाले

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य सलीम खान पुत्र स्वर्गीय वहीद खान, हाल निवासी मकान नम्बर-180, करीम नगर, खोनागोरियान, जयपुर (राजस्थान) ने अपने पुत्र नईम को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे अभिभाष्य का पुत्र नईम आये दिन मेरे अभिभाष्य से लड़ाई-झगड़ा करता है, मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है एवं हैरान परेशान करता है एवं मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि नईम से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार, लेन-देन करेगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य व उसके परिवारजन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर (पी.एम. खान) एडवोकेट, मो.नं. 9351253799

आम सूचना/ विधिक नोटिस मैं सतेन्द्र कुमार हुड्डा पुत्र स्व. धर्मपाल सिंह जातिः जाट, उम्र 63 वर्ष एवं मैं श्रीमती इन्द्रा हुड्डा धर्मपत्नी सतेन्द्र कुमार हुड्डा जाति जाट, उम्र 57 वर्ष निवासीः डी-280, करधनी स्कीम, गोविन्दपुरा, कालवाड़ रोड़, जयपुर हम दोनों द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पुत्र सौरभ हुड्डा, उम्र 33 वर्ष एवं पुत्रवधू स्वाति हुड्डा, उम्र 27 वर्ष द्वारा हमारे साथ दुराचरण एवं अमर्यादित व्यवहार करते हैं। अपनी मनमर्जी तथा हठधर्मिता रखते हैं तथा हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं और धमकियाँ देते हैं। इसलिए हम इन दोनों से सभी तरह के सम्बन्ध विच्छेद करते हैं। तथा हम इन दोनों को अपनी सभी प्रकार की चल- अचल सम्पत्ति से वंचित/ Disowned/ बेदखल करते हैं। अब हमारा इन दोनों से किसी तरह का कोई सम्बन्ध एवं लेना- देना नहीं है। अगर कोई व्यक्ति इनसे कोई लेन- देन करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हम स्वयं एवं हमारा परिवार तथा हमारी सम्पत्ति किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगी।
दिनांकः 15-04-2022 सूचनाकर्ताः हस्ताक्षर- सतेन्द्र कुमार हुड्डा एवं श्रीमती इन्द्रा हुड्डा

राजस्थान आवासन मंडल, वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर जयपुर
क्रमांकः 503 **आहिर आम सूचना** दिं. 13.04.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 77/167 (MIG-A), (एरिया 72.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री मनोहर लाल तलरेजा पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र तलरेजा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2421 दिनांक 26.06.2021 को जारी किया गया। श्री मनोहर लाल तलरेजा की मृत्यु दिनांक 02.03.2019 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक वृत्त प्रथम, राज. आवा. मंडल

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त-द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email ID: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone: 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/3461 **आहीर आम सूचना** दिनांक:- 16/3/22
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लैट संख्या डीडब्ल्यूआर/ए-902, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 40.480 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री कैलाश चन्द झालाणी पुत्र श्री दामोदर लाल झालाणी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5416, दिनांक 25.03.2019 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 17.07.2019 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात् राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 284 दिनांक 08.07.2019 के द्वारा श्री कैलाश चन्द्र झालाणी पुत्र श्री दामोदर लाल झालाणी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 27.02.2020 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री कैलाश चन्द झालाणी की मृत्यु दिनांक 31.05.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त फ्लैट का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी के पक्ष में उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबंधक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं Pathan Shahazad Khan पुत्र युनुस खान निवासी प्लाट नं. 190, उद्योग नगर, अलहुदा मस्जिद के पास, झोटवाडा, जयपुर ने अपना